

पाठ सूची-सह-साप्ताहिक विच्छेदित पाठ्यक्रम							
कक्षा – 8 : विषय – संस्कृत (सुभाषिका – तृतीयो भागः)							
क्रम संख्या	पाठ का नाम	पृष्ठ संख्या	माह	सप्ताह	पाठ के उप विषयवस्तु	पृष्ठ संख्या	सीखने के प्रतिफल
1	नीतिश्लोकाः	1-4	अपल	प्रथम	श्लोक वाचन	1-2	- कहानी, कविता आदि पढ़कर लेखन के विविध तरीकों और शैलियों को पहचानते हैं, जैसे- - वर्णनात्मक, विवरणात्मक, भावात्मक, प्रकृति चित्रण आदि। - पढ़ी गई सामग्री पर चिंतन करते हुए बेहतर समझ के लिए प्रश्न पूछते हैं। - भाषा की बारीकियाँ/व्यवस्था का लिखित प्रयोग करते हैं, जैसे कविता के शब्दों को बदलकर अर्थ और लय को समझना।
				द्वितीय	प्रश्न अभ्यास, वचन	3-4	
2	नद्याः आत्मकथा	5-9		तृतीय	पाठ वाचन	5-6	
				चतुर्थ	प्रश्न अभ्यास, पद परिचय	7-9	
3	निवारणीय इयं प्रथा	10-17	मई	प्रथम	पाठ वाचन	10-13	- पढ़कर अपरिचित परिस्थितियों और घटनाओं की कल्पना करते हैं और उन पर अपने मन में बनने वाली छवियों और विचारों के बारे में लिखित भाषा में अभिव्यक्त करते हैं। - किसी रचना को पढ़कर उसके सामाजिक मूल्यों पर चर्चा करते हैं। उसके कारण जानने की कोशिश करते हैं जैसे – दहेज प्रथा समाप्त क्यों नहीं हो रही? - पढ़ी गई सामग्री पर चिंतन करते हुए समझ के लिए प्रश्न पूछते हैं।
				द्वितीय	प्रश्न अभ्यास,	14-15	
				तृतीय	विलोम पद, विशेषण	16-17	
				चतुर्थ	ग्रीष्म अवकाश		गृह कार्य { पृ.सं. 01 – 17 }
				प्रथम			
4	यक्षयुधिष्ठिरयोः संवादः	18-21	जून	द्वितीय	पाठ वाचन	18	- भाषा की बारीकियों/व्यवस्था का लिखित प्रयोग करते हैं, जैसे – कविता के शब्दों को बदल कर अर्थ और लय को समझना। - पढ़कर अपरिचित परिस्थितियाँ और घटनाओं की कल्पना करते हैं और उन पर अपने मन में बनने वाली छवियों और विचारों के बारे में लिखित भाषा में अभिव्यक्त करते हैं। - किसी पाठ्य वस्तु को पढ़ने के दौरान समझने के लिए जरूरत पड़ने पर अपने किसी सहपाठी या शिक्षक की मदद लेकर उपयुक्त संदर्भ सामग्री, जैसे – शब्द कोश, इंटरनेट या अन्य पुस्तकों की मदद लेते हैं।
				तृतीय	प्रश्न अभ्यास, पद परिचय	19-20	
				चतुर्थ	प्रश्न अभ्यास, कतृ पद	21	
5	शरीरावयवाः	22-27	जुलाई	प्रथम	पाठ वाचन – शरीर के अवयव	22-23	- विभिन्न विषयों पर आधारित विविध प्रकार की रचनाओं को पढ़कर चर्चा करते हैं। - पढ़ी गई सामग्री पर चिंतन करते हुए बेहतर समझ के लिए प्रश्न पूछते हैं। - विभिन्न पठन सामग्रियों को पढ़ते हुए उनके शिल्प की सराहना करते हैं और अपने स्तर अनुकूल मौखिक, लिखित, ब्रेल/सांकेतिक रूप में उसके बारे में अपने विचार व्यक्त करते हैं।
				द्वितीय	प्रश्न अभ्यास, धातु, प्रत्यय	24-27	
6	विश्वनायकः विवेकानन्दः	28-32			तृतीय	पाठ वाचन	28-29

				चतुर्थ	प्रश्न अभ्यास, पद परिचय, विलोम पद, लिंग, वचन	30-32	- अपने अनुभवों को अपनी भाषा शैली में लिखते हैं। - किसी रचना को पढ़कर उसके सामाजिक मूल्यों पर चर्चा करते हैं। उसके कारण जानने की कोशिश करते हैं।	
7	त्यागस्य फलं शुभम्	33-37	अगस्त	प्रथम	पाठ वाचन	33-34	- कहानी पढ़कर लेखन के विविध तरीकों और शैलियों को पहचानते हैं, जैसे-वर्णनात्मक, विवरणात्मक आदि। - विभिन्न प्रकार की सामग्री-कथा की बारीकी से जाँच करते हुए उनका अनुमान लगाते हैं, विशेषण करते हैं, विशेष बिंदु खोजते हैं। - पढ़ी गई सामग्री पर चिंतन करते हुए बेहतर समझ के लिए प्रश्न पूछते हैं। - भाषा की बारीकियों/व्यवस्था का लिखित प्रयोग करते हैं, जैसे – श्लोक के शब्दों को बदल कर अर्थ और लय को समझना। - अपने लिखने के उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए अपनी बात प्रभावी तरीके से लिखते हैं। - पढ़ी गई सामग्री पर चिंतन करते हुए बेहतर समझ के लिए प्रश्न पूछते हैं।	
				द्वितीय	प्रश्न अभ्यास, पद परिचय, प्रत्यय, लिंग, वचन	35-37		
8	सदाचारः	38-42		तृतीय	श्लोक वाचन, पद परिचय	38-39		
				चतुर्थ	प्रश्न अभ्यास, पर्याय पद	40-42		
9	कन्यां रक्षतु कन्यां पाठयतु	43-48	सितंबर	प्रथम	पाठ वाचन	43-44	- किसी रचना को पढ़कर उसके सामाजिक मूल्यों पर चर्चा करते हैं। उसके कारण जानने की कोशिश करते हैं जैसे – दहेज प्रथा समाप्त क्यों नहीं हो रही? - पढ़ी गई सामग्री पर चिंतन करते हुए बेहतर समझ के लिए प्रश्न पूछते हैं। - किसी पाठ्य वस्तु को पढ़ने के दौरान समझने के लिए जरूरत पड़ने पर अपने किसी सहपाठी या शिक्षण की मदद लेकर उपयुक्त संदर्भ सामग्री, जैसे शब्द कोश, इंटरनेट या अन्य पुस्तकों की मदद लेते हैं।	
				द्वितीय	प्रश्न अभ्यास, पद बोध	45-46		
				तृतीय	पद परिचय, विभक्ति	47-48		
				चतुर्थ	संभावित प्रथम योगात्मक मूल्यांकन			
10	संस्कृत भाषायः महत्त्वम्	49-54	अक्टुबर	प्रथम	पाठ वाचन	49	- विभिन्न प्रकार की सामग्री-निबंध की बारीकी से जाँच करते हुए उनका अनुमान लगाते हैं, विश्लेषण करते हैं, विशेष बिंदु खोजते हैं। - भाषा की बारीकियों/व्यवस्था का लिखित प्रयोग करते हैं। - किसी पाठ्य वस्तु को पढ़ने के दौरान समझने के लिए जरूरत पड़ने पर अपने किसी सहपाठी या शिक्षक की मदद लेकर उपयुक्त संदर्भ सामग्री, जैसे शब्द कोश, इंटरनेट या अन्य पुस्तकों की मदद लेते हैं।	
				द्वितीय	पाठ वाचन	50		
				तृतीय	प्रश्न अभ्यास, पद बोध	51-52		
				चतुर्थ	प्रश्न अभ्यास, विशेषण-विशेष्य	53-54		
11	झारखण्डप्रान्तस्य पर्व 'मण्डा'	55-60	नवंबर	प्रथम	पाठ वाचन	55	- अपने परिवेश में मौजूद लोककथाओं और लोकगीतों के बारे में बताते/सुनाते हैं। - विभिन्न संवेदनशील मुद्दों/विषयों जैसे – रीति-रिवाजों के बारे में अपने मित्रों, अध्यापकों या परिवार से प्रश्न करते हैं, जैसे – अपने मोहल्ले के लोगों से 'मण्डा' त्योहार मनाने के तरीके पर बातचीत करना। - अपने लिखने के उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए अपनी बात प्रभावी तरीके से लिखते हैं।	
				द्वितीय	पाठ वाचन	56		
				तृतीय	पद बोध, प्रश्न अभ्यास, प्रश्नवाचक वाक्य	57-58		
				चतुर्थ	प्रत्यय, क्रिया	59-60		
12	सुभाषितानि	61-64	दिसंबर	प्रथम	श्लोक वाचन, पद बोध	61-62	- भाषा की बारीकियों/व्यवस्था का लिखित प्रयोग करते हैं। - पढ़ी गई सामग्री पर चिंतन करते हुए बेहतर समझ के लिए प्रश्न पूछते हैं। - किसी पाठ्यवस्तु को पढ़ने के दौरान समझने के लिए जरूरत पड़ने पर अपने किसी सहपाठी या शिक्षक की मदद लेकर उपयुक्त संदर्भ सामग्री, जैसे शब्द कोश, इंटरनेट या अन्य पुस्तकों की मदद लेते हैं।	
				द्वितीय	सस्वर वाचन, अव्यय पद, प्रश्न अभ्यास, प्रश्नवाचक, वाक्य	63-64		
13	विनायकदामोदरः सावरकरः	65-69			तृतीय	पाठ वाचन, पद बोध, प्रश्न अभ्यास, प्रश्नवाचक वाक्य, लकार परिवर्तन	65-69	- पढ़ कर अपरिचित परिस्थितियों, घटनाओं की कल्पना करते हैं और उनपर अपने मन में बनने वाली छवियों और विचारों के बारे में लिखित भाषा में अभिव्यक्त करते हैं। - किसी रचना को पढ़ कर उसके सामाजिक मूल्य पर चर्चा करते हैं। - पढ़ी गयी सामग्री पर चिंतन करते हुए बेहतर समझ के लिए प्रश्न पूछते हैं।

				चतुर्थ	शीत कालीन अवकाश		गृह काय { पृ.सं. 49 – 69 }	
14	सङ्कल्पः सिद्धिदायकः	70–75	जनवरी	प्रथम	पाठ वाचन	70–72	- अपने परिवेश में मौजूद लोककथाओं और लोकगीतों के बारे में बताते/सुनाते हैं। - कथा को पढ़कर लेखन के विविध तरीकों और शैलियों को पहचानते हैं और लिखते हैं। - विभिन्न अवसरों/संदर्भों में कही जा रही दूसरों की बातों को अपने ढंग से लिखते हैं।	
				द्वितीय	पद बोध, प्रश्न अभ्यास, प्रश्नवाचक वाक्य, लकार परिवर्तन, विलोम पद	73–75		
15	गीतामृतम्	76–79		तृतीय	श्लोक वाचन, पद बोध, सस्वर वाचन, संधि विच्छेद	76–79	- अपने परिवेश में मौजूद लोककथाओं और लोकगीतों के बारे में बताते/सुनाते हैं। - भाषा की बारीकियों/व्यवस्था का लिखित प्रयोग करते हैं। - किसी पाठ्यवस्तु को पढ़ने के दौरान समझने के लिए जरूरत पड़ने पर अपने किसी सहपाठी या शिक्षक की मदद लेकर उपयुक्त संदर्भ सामग्री, जैसे – शब्द कोश, इंटरनेट या अन्य पुस्तकों की मदद लेते हैं।	
16	विमानयानं रचयाम	80–83		चतुर्थ	श्लोक वाचन, पद बोध, सस्वर वाचन, प्रश्न अभ्यास, प्रश्नवाचक वाक्य, विलोम पद, विशेषण–विशेष्य, योग्यता विस्तार	80–85	- विभिन्न विषयों पर आधारित विविध प्रकार की रचनाओं को पढ़कर चर्चा करते हैं। - भाषा की बारीकियों/व्यवस्था का लिखित प्रयोग करते हैं, जैसे – कविता के शब्दों को बदल कर अर्थ और लय को समझना। - दैनिक जीवन से अलग किसी घटना/स्थिति पर विभिन्न तरीके से सृजनात्मक ढंग से लिखते हैं।	
17	परिशिष्टम्	86–104		फरवरी	प्रथम	उपसर्ग, प्रत्यय, संधि	86–91	आदर्श प्रश्न पत्र का अभ्यास कार्य
					द्वितीय	धातु रूप	92–99	
					तृतीय	शब्द रूप	100–104	
पुनरावृत्ति एवं मूल्यांकन				मार्च	चतुर्थ	पुनरावृत्ति		
					प्रथम	पुनरावृत्ति		
					द्वितीय	पुनरावृत्ति		
			तृतीय		पुनरावृत्ति			
			चतुर्थ		पुनरावृत्ति एवं द्वितीय योगात्मक मूल्यांकन			
मार्च : पुनरावृत्ति एवं द्वितीय योगात्मक मूल्यांकन								